ये अव्यक्त इशारे

अब अपनी पुरानी नेचर व संस्कारों का परिवर्तन करो

16-11-2022

ब्राह्मणों की नेचुरल नेचर सदा सर्व प्राप्ति की है अर्थात् ब्राह्मणों के आदि अनादि संस्कार विजय के हैं, सम्पन्न बनने के हैं। पश्चाताप के संस्कार ब्राह्मणों के नहीं यह क्षत्रियपन के संस्कार हैं। सूर्यवंशी सदा सर्व प्राप्ति सम्पन्न स्वरूप है।

Now transform the old nature and old sanskars.

The natural nature of Brahmins is constantly one of having all attainments. That is, the original and eternal sanskars of Brahmins are of victory and of becoming complete and perfect. The sanskars of repentance are not the sanskars of Brahmins; they are the sanskars of warriors. Those who belong to the sun dynasty are constant embodiments of all attainments.